माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील: हायर सेकेण्डरी 2005

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड | 1 | 2 | 0 | परीक्षा का विषय भूगोल

2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 06-03-200

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C,या D) अनिवार्यतः भरें

कोड	सेट
4-2033	A

केन्द्र क्रमांक की सील

251024

K 4058347

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

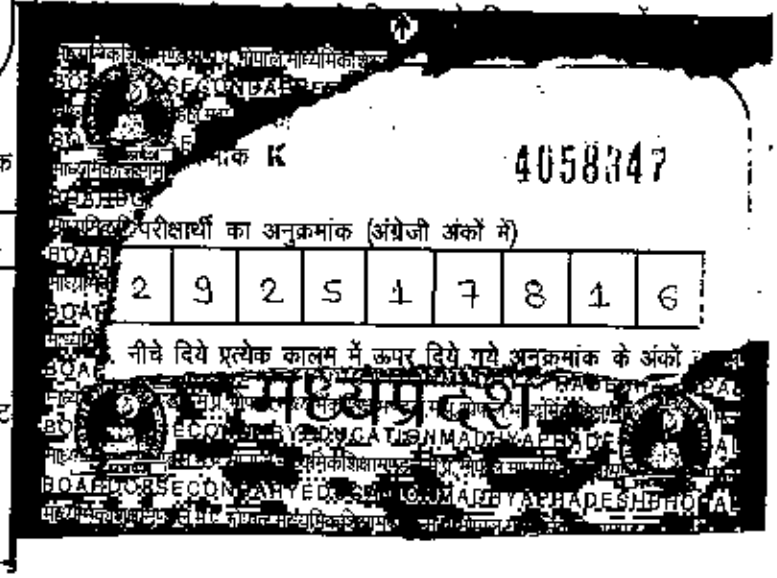

2	9	2	5	1	7	8	1	6

नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों

मध्यप्रदेश

पर्यवेक्षक / केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में X अंकों में X

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 7 में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) Bardawal

नाम कु. नर्मदा लववाय पद सहा. अध्यापि.

पता / संस्था हा/S कन्या नाईपादो

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

BSEMP

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्ति चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन वि पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक र

हस्ताक्षर (परीक्षक) हस्ताक्षर (उपमुख्य

परीक्षक क्रमांक 917053-6 दिनांक........ दिनांक........

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

प्रश्न (1.) का उत्तर :-

सही विकल्प

(अ.) (ii.) ई॰ सी॰ सेम्पुल

(ब.) (i.) कृषि

(स.) (ii.) लौह इस्पात उद्योग।

(द.) (i.) ट्रान्स साइबेरियन रेलमार्ग

(इ.) (iv.) प. बंगाल

R M P

प्रश्न (2.) का उत्तर :-

सही जोड़ियाँ

(अ.) जूट → प॰ बंगाल
(ब.) इंदिरा गाँधी नहर → राजस्थान
(स.) यूरेनियम → केरल
(द.) भारत का मैनचेस्टर → अहमदाबाद
(इ.) मध्य-स्तरीय प्रदेश → द्वितीय श्रेणी के आर्थिक प्रदेश

प्रश्न (3.) का उत्तर :-

रिक्त स्थान

(i.) जूट

(ii.) सोवियत संघ

(iii.) संचयन

(iv.) ब्रह्मपुत्र नदी

(v.) लेह

BSEMP

प्रश्न (4.) का उत्तर :-

(i.) सत्य

(ii.) असत्य

(iii.) सत्य

(iv.) असत्य

(v.) असत्य

BSEMP

प्रश्न (5) का उत्तर →

'नगर का कार्यात्मक वर्गीकरण'

वॉन रियोफिन के अनुसार :-

" नगर एक संगठित समूह रखता है जहाँ की अधिकांश लोग कृषि कार्यों के विपरीत अन्य उद्योग व व्यापार एवं वाणिज्य से संबंधित होते है।"

नगरों में विभिन्न कार्यों की प्रधानता होती है उसी के आधार पर नगरों का कार्यात्मक वर्गीकरण होता है। अतः नगरों का कार्यों के आधार पर वर्गीकरण निम्नानुसार है :-

(1.) औद्योगिक नगर
(2.) प्रशासनिक नगर
(3.) व्यापारिक नगर
(4.) संग्रह नगर
(5.) परिवहन नगर
(6.) सांस्कृतिक नगर
(7.) सुरक्षा नगर
(8.) मनोरंजन नगर
(9.) निवास के आधारित नगर
(10.) मिश्रित कार्यों के नगर

(1.) औद्योगिक नगर →

जब किसी स्थान पर किसी

पृष्ठ के अंकों का योग

उद्योग कि की स्थापना होत हो जाती है तो वहाँ पुरक उद्योग भी विकसित होने लगते है क्योंकि वहाँ उनके आवश्यक संसाधन उपलब्ध होते है। इस प्रकार वह एक औद्योगिक नगर बन जाता है। जैसे अहमदाबाद - सूती वस्त्र उद्योग

(2) प्रशासनिक नगर →

जहाँ प्रशासन संबंधी कार्यों की प्रधानता होती है वह वहाँ प्रशासनिक नगर कहलाता है। इनका काम प्रशासन संबंधी कार्यों को करना होता है।
जैसे :- दिल्ली प्रशासनिक नगर

(3) व्यापारिक नगर →

इनका काम व्यापार संबंधित कार्यों को करना होता है।
जैसे :- कोलकाता

(4) मिश्रित कार्यों के नगर →

इन नगरों में किसी एक काम नहीं बल्कि अनेक काम साथ-साथ होता है वह मिश्रित कार्यों के नगर कहलाते है।
जैसे - दिल्ली, मुम्बई आदि

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

B S E M P

प्रश्न (6) के अथवा का उत्तर :-

बंदरगाह →

"बंदरगाह समुद्र तट पर स्थित वह अवस्थित स्थान होता है जहाँ जहाज आकर ठहरते है।" बंदरगाह के लिए आदर्श स्थान होना आवश्यक होता है। एक आदर्श बंदरगाह की निम्नलिखित विशेषताएँ होती है :-

(1.) अच्छा पोताश्रय →

आदर्श बंदरगाह के लिए एक अच्छा पोताश्रय होना आवश्यक होता है। जहाँ जहाजों मे सामान को उतारा व लादा जा सके। इसलिए इसके लिए पोताश्रय को कोहरा रहित, समुद्रों पर लहरों का तेज न आना आवश्यक होता है।

(2.) धनी पृष्ठभूमि →

आदर्श बंदरगाह के लिए सघन बसी हुई पृष्ठभूमि होना जरूरी होती होता है। जो उपजाऊ हो।

(3.) ज्वार भाटा →

ज्वार भाटे का समय समय पर आना आदर्श बंदरगाह के लिए आवश्यक होता है जिससे सामान को भेजा एवं वहाँ से आ सके।

(4.) परिवहन की सुविधा →

रेलों, सड़कों द्वारा सामान को बंदरगाह तक आने के लिए परिवहन की सुविधा होना चाहिए, यह आदर्श जनसंख्या की मुख्य विशेषता है।

प्रश्न (7) का उत्तर →

जनसंख्या वितरण एवं घनत्व को प्रभावित करने वाले कारक

किसी स्थान की जनसंख्या को धरातल, जलवायु आदि कारकों पर निर्भर करती है। अतः जनसंख्या के वितरण एवं घनत्व को प्रभावित करने वाले कारक निम्न हैं :-

(1.) जलवायु
(2) धरातल
(3.) खनिज पदार्थ
(4.) जल की सुविधा
(5) भरण पोषण की क्षमता
(6.) परिवहन के साधन
(7) उद्योग धंधे

(1.) जलवायु →

जलवायु का जनसंख्या के वितरण

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

एवं घनत्व पर अत्यधिक प्रभाव पड़ता है। सामान्यतः मनुष्य उसी स्थान पर पसंद करता है जहाँ की जलवायु उसके स्वास्थ्य के लिए अनुकूल हो।
गंगा यमुना एवं समुद्र तटीय जलवायु वाले भागों में जनसंख्या सघन पायी जाती है।

(2.) धरातल →
धरातल का जनसंख्या वितरण एवं घनत्व पर प्रभाव पड़ता है। समतल मैदानी वाले भागों में सघन जनसंख्या पायी जाती है जबकि पहाड़ी पठारी वाले भागों में जनसंख्या कम पायी जाती है।
जैसे :- दक्षिण पठारी नार्वे का पठारी भाग होने के कारण वहाँ जनसंख्या कम पायी जाती है।

(3.) खनिज पदार्थ ⇒
जहाँ खनिज पदार्थ अधिक मात्रा में पाये जाते है वहाँ जनसंख्या अधिक सघन पायी जाती है।
जैसे :- पश्चिमी आस्ट्रेलिया में कालगुर्ली एवं कूलगार्डी में सोने की खाने होने के कारण जनसंख्या अधिक पायी जाती है।

(4.) जल की सुविधा →
जल प्राणीमात्र की अनिवार्य

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग।

आवश्यकता होती है। जहाँ पीने के लिए स्वच्छ एवं कृषि के लिए जल की सुविधा हो वहाँ जनसंख्या अधिक पायी जाती है।

जैसे :-

गंगा यमुना एवं डेल्टाई भागों में अधिक अधि जनसंख्या निवास करती है।

इस प्रकार हम देखते है कि जहाँ जलवायु, परिवहन के साधन, धरातल आदि जैसे कारक विद्यमान हो वहाँ जनसंख्या घनी पायी जाती है।

प्रश्न (8) का उत्तर ?

अथवा

नगरीय बस्तियों की विशेषताऐं निम्न हैं :-

(1) अधिक जनसंख्या →

नगरीय बस्तियों में जनसंख्या अधिक पायी जाती है। जैसे 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले महानगरों में की संख्या 35 है।

(2) व्यवस्थित आवासीय संरचना →

सामान्यतः नगरीय बस्तियाँ व्यवस्थित होती है। इनको योजनाबद्ध ढंग

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

मध्यप्रदेश

से बसाया जाता है। ये बस्तियाँ ईंट, रेत, सीमेंट से बनी हुई होती है।

(3.) प्रतिस्पर्धा →

नगरों की मुख्य विशेषता प्रतिस्पर्धा होना है। नगरों में रहने वाले लोग आर्थिक एवं सामाजिक, राजनीतिक कार्यों में एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा बनाये रखते है।

(4.) द्वितीयक संबंध →

नगरों में रहने वाले लोग एक दूसरे को अपना सहयोग इसलिए करते है ताकि उनके स्वार्थ पूरे हो सके। अतः नगरीय बस्तियों की यह मुख्य विशेषता होती है।

(5.) उद्योग धंधे या द्वितीयक-तृतीयक व्यवसाय →

नगरों में मुख्यतः कृषि कार्यों के विपरीत उद्योग धंधों एवं द्वितीयक तृतीयक व्यवसाय में लगी-हुई जनसंख्या स होती है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न (5.) का उत्तर →

भारत में सड़कों का महत्व बहुत प्राचीन समय से रहा है। सड़कों द्वारा ही गाँव नगरों से जुड़े हुए थे। प्राचीन समय में कच्ची अधिकांश कच्ची सड़के पायी जाती थी परंतु वर्तमान में सड़कों को पक्का करने का प्रयास जारी है। भारत में सड़कों की लम्बाई 33 लाख किलोमीटर से अधिक है।

भारत में सड़कों का महत्व विशेष है।

(1.) सबसे सुविधाजनक →

सड़के सबसे सुविधाजनक साधन है। इसके द्वारा घरों, गोदामों आदि स्थानों में सामान को भेजा जा सकता है।

(2.) कम लागत →

सामान्यतः सड़कों के बनाने में रेलों एवं वायुयानों की तुलना में कम लागत आती है। यह सबसे सस्ता साधन है।

(3.) भार ढोने की सुविधा →

सड़कों में भार ढोने की क्षमता अधिक होती है। अतः

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

13 | 33 + 3 = 36
योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 13 के अंक | कुल अंक

बसो, द्वारा सामान को ढोया जा सकता है।
इस प्रकार हम देखते है कि सड़के सबसे सुविधा जनक मार्ग है जिनका भारत की अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ा है। अतः सड़के भारतीय अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है तथा यह भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाऐं है।

प्रश्न (18) का उत्तर →

पर्यावरण प्रदूषण →

पर्यावरण शब्द जिसको अंग्रेजी में 'Envionment' कहते है फ्रांसीसी भाषा के 'Envionear' से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'चारों ओर से घेरना'।

पर्यावरण शब्द हिन्दी भाषा के दो शब्दों से मिलकर बना है परि + आवरण 'परि' का अर्थ है चारों ओर तथा 'आवरण' का अर्थ है घेरना। इस प्रकार पर्यावरण वह शब्द है जो इकाई है जो मानव को चारों ओर से घेरे हुये है। तथा जिसका प्रभाव व्यक्ति के सामाजिक, सांस्कृतिक कार्यों पर पड़ता है।

प्रदूषण :-

(Pollution) प्रदूषण शब्द लैटिन भाषा के Pollutionem

BSEMP

3

'Pollutionem' से लिया गया है जिसका अर्थ है "गंदा करना"। इस प्रकार पर्यावरण प्रदूषण का आशय उन दशाओं से है जो भूमि, जल, वायु आदि तत्वों को गंदा करके मानव को प्रभावित करती है। पर्यावरण प्रदूषण एक गंभीर समस्या है। इसका निपटान किया जाना चाहिए।

<u>प्रकार :-</u>

पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार निम्न हैं:-

(1) <u>वायु प्रदूषण</u> :-

" वायु में अवांछित तथ्यों को आवश्यकता से अधिक बढ़ जाना ही वायु प्रदूषण है। मोटरों, गाड़ियों एवं अन्य सभी प्रकार के साधनों द्वारा वायु प्रदूषण फैलता जा रहा है।

(2) <u>जल प्रदूषण</u> :-

जल मे निश्चित मात्रा में कार्बनिक एवं अकार्बनिक तत्व मिले होते हैं। जब इन तथ्यों की मात्रा बढ़ जाती है तो जल प्रदूषण कहलाता है।

जल प्रदूषण मुख्यतः कारखानों से निकलने वाले गंदे पानी एवं नगरीय कूड़े कचड़े को नदियों में छोड़ने डालने से फैलता है।

BSEMP
पृष्ठ के अंकों का योग

(ठ) ध्वनि प्रदूषण →

अनचाहे ऊँचे स्वर को शोर कहा जाता है तब इस शोर से पैदा होने वाली बैचेनी को ध्वनि प्रदूषण कहते है।

मोटरों, गाड़ियों एवं अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों के द्वारा ध्वनि प्रदूषण पैदा हो रहा है।

(ण) मृदा प्रदूषण →

मृदा प्रदूषण मृदा में अवांछित तत्वों, हानिकारक तत्वों के मिल जाने से होता है। कीटनाशक, खाद दवाओं, के डालने से जहाँ एक ओर कृषि उपज जल्दी तैयार हो जाती है वहीं दूसरी ओर मृदा में उपजाऊ तत्वों की कमी आत आ जाती है।

प्रश्न (11) का उत्तर →

मानवीय विकास अवधारणा →

"मानव विकास वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा जनसामान्य के विकल्पों का विस्तार किया जाता है तथा इसके द्वारा उनके कल्याण के उन्नत स्तर को प्राप्त किया जाता है।"

पृष्ठ के अंकों का योग

मानवीय विकास सूचकांक →

मानवीय विकास सूचकांक के तीन आयाम होते हैं :-

(1) लम्बा और स्वस्थ जीवन
(2) शिक्षा - इसकी वयस्क साक्षरता दर (या) प्राथमिक, माध्यमिक एवं तकनीकी स्तर
(3) सकल घरेलू उत्पाद

मानवीय विकास सूचकांक को मापने के लिए तीनों आयामों का सूचकांक तैयार कर लेते हैं :-

सूत्र :-

$$\text{मानवीय सूचकांक} = \frac{\text{वास्तविक मूल्य} - \text{न्यूनतम मूल्य}}{\text{अधिकतम मूल्य} - \text{न्यूनतम मूल्य}}$$

मानवीय विकास रिपोर्ट 2004 में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गणना की गयी जिसमें

(1) 0.8% उच्च माध्यमिक मानवीय विकास सूचकांक होते हैं जिसमें कनाडा, नार्वे आदि देश सम्मिलित होते हैं।

(2) वे देश जिनमें मानवीय विकास सूचकांक

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

0.5 से 0.8% तक है उन्हें मध्य मानवीय विकास सूचक कहते हैं। जैसे ईराक, भारत, इंडोनेशिया आदि)

(3.) वे देश जिनमें मानवीय विकास सूचकांक 0.5% से कम है उन्हें निम्न मानवीय विकास सूचक कहते हैं जैसे - पाकिस्तान, नाइजर आदि।

सन् 2004 में 177 देशों के लिए गणना की गयी जिसमें 55 उच्च मानवीय परिसीमा 86 मध्य एवं 36 निम्न मानवीय परिसीमा के अंतर्गत आये। पर नार्वे का स्थान उच्च प्रथम तथा भारत का स्थान 127 वें स्थान पर है

प्रश्न (18) का उत्तर :)

जीविकोपार्जन कृषि :)

यह वह कृषि है जिसमें किसान अपनी तथा अपने परिवार की उदरपूर्ति के लिए करता है। इसे निर्वाह कृषि या जीविकोपार्जन कृषि कहते है। इसमें मुख्यतः वही फसलें पैदा की जाती है जिसकी किसानों की आवश्यकता होती है। जैसे - चावल, आलू आदि

या

जीविकोपार्जन कृषि के तीन प्रकार है:-
(1) स्थानान्तरित कृषि या झूमिंग कृषि
(2) स्थायी कृषि
(3.) गहन कृषि

जीविकोपार्जन जीविकोपार्जन
कृषि दक्षिण पूर्वी एशिया, मध्य एशिया, दक्षिण अमेरिका, आदि देशों मे की जाती है।

जीविकोपार्जन कृषि की विशेषताऐं निम्न है:-

(1) इस कृषि में बड़ी फसलें ली जाती है जिसकी किसानों को आवश्यकता होती है।
(2) वर्ष में दो-तीन फसले पैदा की जाती है।
(3.) इसमें खेत छोटे-आकार के होते है।
(4.) मानवीय श्रम की प्रधानता होती है।
(5.) परम्परागत उपकरणों से खेती की जाती है।
(6.) फसल का गहनतम प्रयोग से मृदा की उपजाऊ शक्ति कम होती जाती है।
(7.) मृदा की उपजाऊ-पन बढ़ाने के लिए खाद का प्रयोग करते है।

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न (14) का उत्तर :-

प्र पेट्रोलियम खनिज :-

पेट्रोलियम शब्दों व शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है पेट्रा + ओलियम 'पेट्रा' का 'अर्थ है चट्टाने' तथा 'ओलियम' का अर्थ है तेल। इस प्रकार पेट्रोलियम वह खनिज तेल है जो चट्टानों से प्राप्त होता है।

प्राचीन समय मे पेड़, पौधे, जीव जन्तु आदि वनस्पति पृथ्वी के नीचे दबे दब गयी और ताप एवं दाब की प्रक्रिया द्वारा यह तेल के रूप में परिवर्तित हो गयी। अतः पेट्रोलियम का निर्माण लाखों वर्षों मे हुआ है।

पेट्रोलियम खनिज अशुद्ध मात्रा में मिलते है जिनको शोधन प्रक्रिया द्वारा साफ किया जाता है। पेट्रोलियम खनिज महत्वपूर्ण होते है। पेट्रोलियम इस को साफ करने से पेट्रोल पेट्रोल रसायन आदि भिन्न पदार्थ प्राप्त होते है। पेट्रोल पेट्रोल द्वारा बस रेल, वायुयान आदि चलाये जाते है। पेट्रोलियम की महत्ता को देखते हुए कई देशों मे लड़ाइयाँ होती है। जिसे 'तरल सोना' कहते है।

परन्तु भारत मे पेट्रोलियम खनिज की कमी है। जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ रहा है। पेट्रोलियम खनिज समाप्त

पृष्ठ के अंकों का योग

होने वाले संसाधन होते है जिनको एक बार प्रयोग कर लेने के बाद पुनः उसका प्रयोग नही किया जा सकता है। इन्हें अनवीनीकृत साधन कहते है जैसे पेट्रोलियम खनिज, कोयला आदि
वर्तमान समय मे मोटर, गाड़ियों उद्योग धंधों के बढ़ते प्रयास कर के कारण पेट्रोलियम खनिज की कमी भारत में होने लगी है।
अतः पेट्रोलियम खनिज द्वारा की कमी भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है।

प्रश्न (ड.) का उत्तर →

संचार :-
"संचार वह माध्यम है जिसके द्वारा संदेश, सूचनाऐं, आदि जानकारियाँ एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजी जाती है।" इन सूचनाओं को जिन साधनों द्वारा भेजा जाता है। उन्हें साधन संचार के साधन कहते है।

संचार के साधन निम्नलिखित है

(1) डाक
(2) तार
(3.) टेलीफोन

(य.) टेलेक्स
(इ.) फैक्स
(ढ.) रेडियो
(म.) दूरदर्शन

महत्व :-

संचार के साधनों का महत्व निम्न है

~~(क) प्रसार प्रचार~~
(1) प्रसारण के क्षेत्र में →

संचार के साधनों द्वारा भिन्न देशों में घटित होने वाली घटनाओं की तुरंत जानकारी मिल जाती है। संचार के साधन प्रसारण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। इसके द्वारा हम घर बैठे जानकारी प्राप्त कर सकते है।

(2.) खेल के क्षेत्र में →

संचार के साधन खेल संबंधी जानकारियाँ देते रहते है। जिससे हम विभिन्न खेलो से परिचित होते है। संचार के साधन हमारे मन में खिलाड़ी भावना को जागृत करते है।

(3.) मौसम संबंधी जानकारी →

मौसम संबंधी

पृष्ठ के अंकों का योग

जानकारी हमें संचार के साधनों द्वारा मिल जाती है। जिससे महुआरे, किसानों को इसका विशेष लाभ मिलता है।

(4.) मनोरंजन संबंधी के क्षेत्र में →

संचार के विभिन्न साधन दूरदर्शन, रेडियो आदि मनोरंजन संबंधी सुविधायें देते हैं। संचार के साधनों द्वारा हम घर के सभी सदस्यों द्वारा के साथ कार्यक्रमों को देख सकते हैं। नाटक, धारावाहिक कार्यक्रम

(5.) प्रशासन के क्षेत्र में →

संचार के साधनों का प्रशासन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहता है। संचार के साधन राजनीति से संबंधित जानकारियाँ नेताओं, एवं राजनीतिक दलों की नीतियों को जनता के सक्षम प्रस्तुत करते हैं।

(6) शिक्षा के क्षेत्र में →

संचार के साधन लोगों को जागरूक बनाते हैं। अतः संचार के साधनों का शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान है।

इस प्रकार संचार के साधन हमें शिक्षा, स्वास्थ्य, राजनीतिक, प्रशासन संबंधी

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

[redacted] प्रश्न (3) का उत्तर

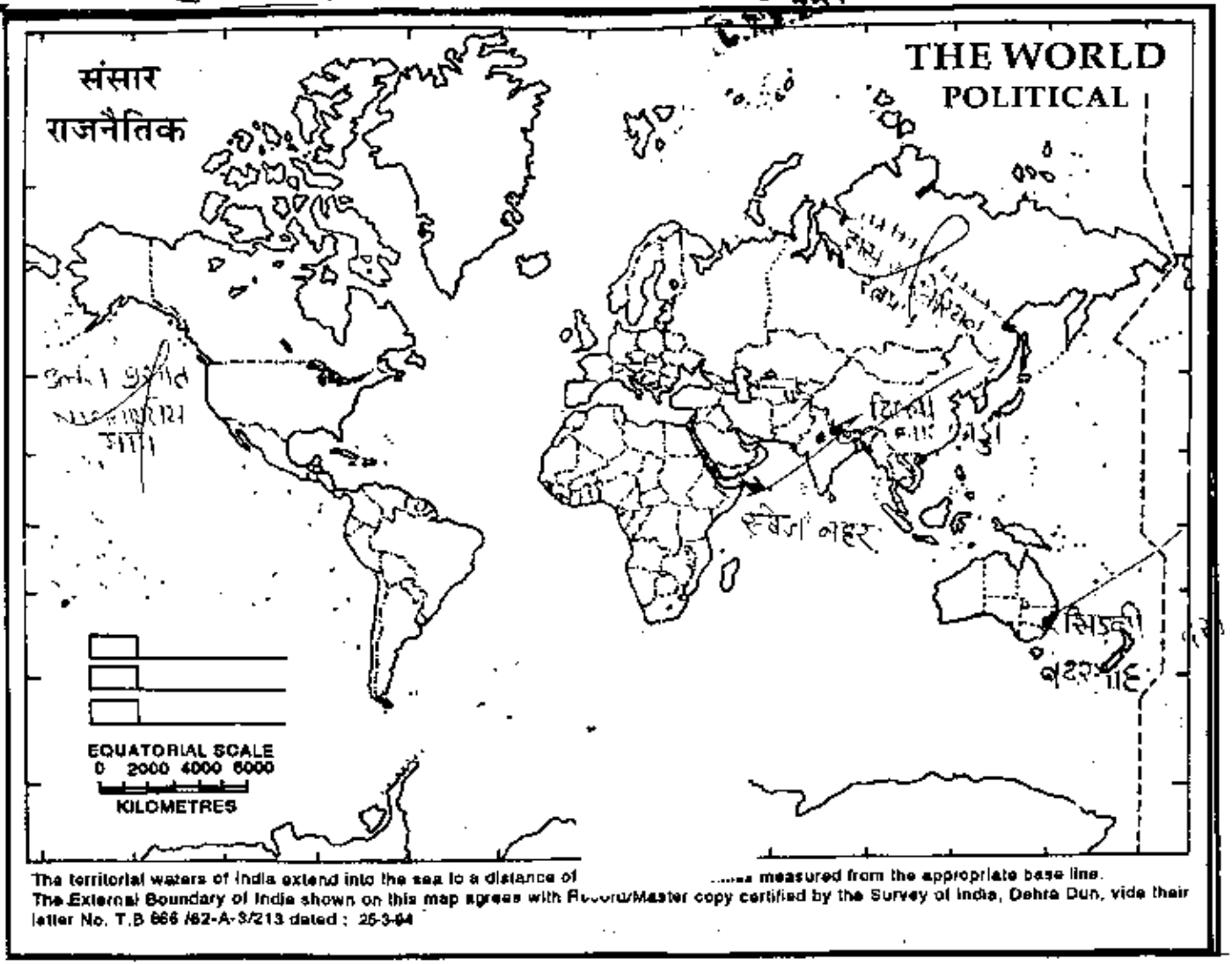

The territorial waters of India extend into the sea to a distance of ...... measured from the appropriate base line.
The External Boundary of India shown on this map agrees with Record/Master copy certified by the Survey of India, Dehra Dun, vide their letter No. T.B 666 /62-A-3/213 dated : 25-3-94

(23) [ ] + [ ] =

पृष्ठ 23 के अंक

सभी तरह की सूचनाऐ देते है। अतः संचार के साधनों का विशेष महत्व है।

प्रश्न (16) का उत्तर →

उदारीकरण, निजीकरण, भूमण्डलीयकरण मे का भारती उद्योगो पर गहरा प्रभाव पड़ा है।

उदारीकरण →

उदारीकरण वह नीति है जिसमे सरकार द्वारा विभिन्न सीमा शुल्कों, आयात निर्यात पर प्रतिबंध को हटाने मे की नीति है। सरकार द्वारा आयात सीमा शुल्कों की छूट दी जाती है। उदारीकरण की नीति का लोगो मे योग्यता, कुशलता विकसित करती है। जिससे व्यक्ति उद्योग धंधों मे महत्व अपना योगदान देते है। अतः उदारीकरण की नीति सन् 1991 मे लागू की गयी थी। उदारीकरण की नीति भारतीय उद्योगों को प्रभावित करती है।

निजीकरण →

निजीकरण वह नीति है जिसमे सरकार का हस्तक्षेप न होकर निजी संस्थानो की भूमिका होती है। यह नीति उद्योगों को संचालित करती है।

भूमण्डलीयकरण →

भूमण्डलीयकरण वह प्रक्रिया है

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

जिसमे देश की अर्थव्यवस्था विश्व की अर्थव्यवस्था मे समाहित होने लगती है। यह एकीकरण की एक प्रक्रिया है जिसमे विभिन्न देश एक दूसरे के द्वारा अपनाये जाने वाले व्यापारो व्यवसाय को सफेल अपनाने लगती है। इससे विश्व एक वैश्विक बाजार स बन जाता है।

इस प्रकार उदारीकरण, निजीकरण, एवं भूमण्डलीयकरण की प्रक्रियाऐं भारतीय उद्योगो को प्रभावित करती है जिसमे व्यापारिक प्रतिबंधों को समाप्त करती है तथा अन्य विश्व भारतीय अर्थव्यवस्था मे संचालन करते है उन्हें विभिन्न जानकारियाँ देते है। जिससे उद्योग चौधी प्रगति करते है और भारतीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ बनाते है।

पृष्ठ के अंकों का योग